**कामयाबी** मेट्रो-3 कॉरिडोर के अंतिम स्टेशन सीप्ज तक सुरंग का हिस्सा पूरा

# 125 दिनों में सुरंग के पार निकली मशीन

Damodar.Vyas@timesgroup.com

■ मुंबई: मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के लिए बुधवार का दिन खुशी का मौका लाया, जब मेट्रो-3 कॉरिडोर के अंतिम स्टेशन सीप्ज पर टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) आर-पार निकल गई। यह कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज मेट्रो कॉरिडोर है। इस साल में यह दूसरा मौका है, जब टीबीएम द्वारा सुरंग बनाने का कोई हिस्सा पूरा कर लिया गया है।

23 अगस्त को वैनगंगा-2 नाम की टीबीएम अंधेरी के सारीपुत नगर लॉन्चिंग शाफ्ट से रवाना की गई थी। 125 दिनों में 568 मीटर सुरंग का काम करने के बाद बुधवार को यह मशीन बाहर निकली है। 33.5 किमी के मेट्रो-3 कॉरिडोर में से सुरंग का यह सबसे छोटा हिस्सा था। सुरंग के इस हिस्से को खोदने में तकरीबन 250 इंजिनियर्स, टेक्निशन और कर्मचारी लगे थे। सुरंग निर्माण के दौरान मशीन को कठोर चट्टानों के बीच से गुजरना था। इस दौरान यह मशीन जेवीएलआर के नीचे से भी गुजरी।

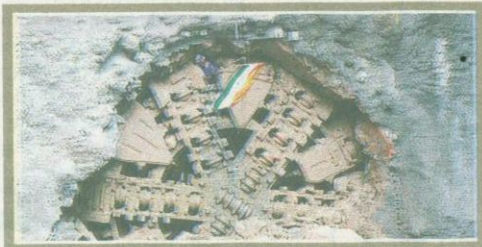

"मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के लिए यह दूसरी बड़ी सफलता है। सुरंग का यह काम पूरा करने का श्रेय इंजिनियरों की टीम और अन्य कर्मचारियों को जाता है।

– अश्विनी भिडे देशपांडे, प्रबंधक निदेशक, एमएमआरसी

## रोज ₹4 करोड़ खर्च

25,000 करोड़ रुपये के मेट्रो-3 प्रॉजेक्ट के लिए रोज करीब 4 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। इस खर्च का अधिकांश हिस्सा 17 टीवीएम मशीनों के किराये में चला जाता है। 92 मीटर लंबी वैनगंगा-2 टीबीएम ने रोज औसतन 4.5 मीटर की सुरंग बनाई गई। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने अब तक लगभग 15 किमी सुरंग की खुदाई कर ली है। करीब 52 किमी सुरंग का काम करना है। यह लंबाई कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज कॉरिडोर के 33.5 प्रतिशत हिस्से के दोनों दिशाओं (अप और डाउन) को मिलाकर बताई गई है।

## कनेक्टिंग मुंबई

मेट्रो-3 कॉरिडोर से भविष्य में छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनैशनल एयरपोर्ट-2 भी जुड़ने जा रहा है। इस दौरान मरोल नाका स्टेशन पर मेट्रो-3 और मेट्रो-1 का मिलन होगा। इसी तरह आरे स्टेशन में मेट्रो-6 और मेट्रो-3 मिलेंगी। मुंबई का यह हिस्सा अब तक लोकल ट्रेनों की सेवाओं से बहुत दूर था।